सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर,शुक्रवार , 06 जून, 2025
वर्षः 02, अंकः 158, पृष्ठः 8+4

इनसाइड मेरठ में हॉरर किलिंगः मां ने गला घोंटा, भाई काट ले गए सिर » Pg11

मोदी ने किया चिनाब और अंजी पुल का उद्घाटन

» Pg12

क्रिप्टो निवेश के नाम पर 1.92 करोड़ रुपये की ठगी

लखनऊ की चार्टर्ड अकाउंटेंट के साथ हुआ धोखा, फेसबुक से फंसाया

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। **उत्तर प्रदेश में साइबर फॉड के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। साइबर अपराधी नए-नए पैंतरे अजमाकर लोगों की गाढ़ी कमाई हड़प ले रहे हैं। इसी क्रम में एक बार फिर राजधानी लखनऊ के एक प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट से क्रिप्टोकरेंसी निवेश योजना के नाम पर 1.92 करोड़ रुपये की चौंकाने वाली ठगी का मामला सामने आया है।**

पीड़ित सीए शलभ पांडे ने साइबर क्राइम थाना लखनऊ में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने फेसबुक और व्हाट्सएप के माध्यम से योजनाबद्ध तरीके से की गई, इस धोखाधड़ी का खुलासा किया है।पीड़ित शलभ पांडे के मुताबिक, उन्हें भविका शेट्टी नाम की महिला ने फेसबुक पर संपर्क किया था।

उसने बताया कि वह कोलकाता में स्कूल और वृद्धाश्रम खोलने की योजना बना रही है, उसे इसके लिए एक चार्टेड एकांउटेंट से वित्तीय योजना और टैक्स के बारे में सलाह लेनी है। हालांकि बाद में उसने दावा किया कि वो क्रिप्टोकरेंसी में काम करती है और वो उसकी विशेषज्ञ है और निवेश से अच्छा लाभ दिला सकती है।

व्हाट्सएप पोर्टल से चलता रहा फर्जी निवेश

धोखाधड़ी एक विशेष व्हाट्सएप आधारित पोर्टल https://ame&us.cc/mobile के जरिए किया गया था। पीड़ित शलभ पांडेय ने 26 अप्रैल 2025 को 50,000 रुपये से निवेश की शुरुआत की और धीरे-धीरे मुनाफे और बोनस दिखाकर उनसे कुल 1 करोड़ 92 लाख 92 हजार रुपये जमा करवा लिए थे।

निकासी के नाम पर टैक्स, फीस और नई मांगें

जब शलभ पांडेय ने लाभ निकालने की कोशिश की, तो पहले अमेरिकी टैक्स के नाम पर 49 लाख रुपये मांगे गए। इसके बाद 35.10 लाख रुपये की ग्रीन चैनल फीस, 53.82 लाख रुपये का कथित भू-राजनीतिक टैक्स और अंत में 64.58 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग की गई थी। धोखाधड़ी की यह रकम धीरे-धीरे कुल 1,92,92,000 तक जा पहुंची। इस दौरान पैसे 10 अलग-अलग फर्जी संस्थाओं के खातों में ट्रांसफर कराए गए। इनमें बीएसएस कंस्ट्रक्शन, जेपी कंस्ट्रक्शंस, हिंद एंटरप्राइजेस, न्यू मोनोपोली रेस्टोरेंट आदि शामिल हैं।

केवल समाजवादियों के खिलाफ ही होती है कार्रवाई: अखिलेश यादव

अब्बास अंसारी की विधायकी रद्द होने पर अखिलेश यादव का योगी सरकार पर जुबानी हमला

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। **सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी की सदस्यता रद्द किए जाने के फैसले को लेकर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोला है. लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में शुक्रवार को मीडिया को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि अब्बास अंसारी की विधायकी जानबूझकर रद्द की गई है. उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरी कार्रवाई राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है और समाजवादी नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है.**

अखिलेश ने कहा, भाजपा के नेता न जाने क्या-क्या भड़काऊ बातें बोलते हैं, इनके लोग क्या स्टेटमेंट दे रहे है इनके लोग डीएनए पूछ रहे है. उसकी सदस्यता क्यों नही ली जा रही है. केवल समाजवादी नेताओं के खिलाफ ही कार्रवाई की जाती है.

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह न्याय सबके लिए एक समान है या जाति के आधार पर फैसले लिए जा रहे हैं.।

सपा अध्यक्ष ने न्यायपालिका की नियुक्तियों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कुछ जजों की नियुक्ति जातिगत सोच के आधार पर की जा रही है, जो लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है.

हेट स्पीच के मामले में विधायकी रद्द

मऊ से विधायक अब्बास अंसारी की विधायकी एक हेट स्पीच केस में दोषी ठहराए जाने के बाद समाप्त कर दी गई. खास बात यह रही कि इस कार्रवाई के लिए रविवार के दिन सचिवालय को खोला गया, जिससे राजनीतिक हलकों में इस कदम को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं. विधानसभा सचिवालय ने इस संबंध में चुनाव आयोग को भी सूचना भेज दी है. अब मऊ सीट पर उपचुनाव की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है.

अखिलेश यादव ने इस मौके पर भाजपा सरकार पर पंचायत चुनाव और आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर भी हमला बोला. उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है और गड़बड़ियों की आशंका है.

विश्व पर्यावरण दिवस पर महापौर व नगरआयुक्त ने किया वृक्षारोपण

दादा नगर एलएमएल चौराहे के पास वृक्षारोपण कर दिया संदेश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। 5 जून 2025 विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महापौर प्रमिला पांडेय एवं नगर आयुक्त सुधीर कुमार के द्वारा दादा नगर एलएमएल चौराहे के पास वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और शहर को हरा-भरा बनाने के महत्व पर जोर दिया। प्रमिला पांडे ने शहर वासियों से पर्यावरण संरक्षण करने की अपील की। वहीं, नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने कहा, फ़पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है और हमें इसके लिए निरंतर प्रयास करने होंगे। वृक्षारोपण एक छोटा सा कदम है, लेकिन इसका प्रभाव बहुत बड़ा होगा ।इस अवसर पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी अपर नगर आयुक्त सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। सभी ने वृक्षारोपण में भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

ऑल इंडिया वुमेन्स कांफ्रेंस ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। ऑल इंडिया वुमेन्स कांफ्रेंस सरसैया घाट, कानपुर शाखा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में फूलबाग स्थित नाना राव पार्क में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।इस अवसर पर संस्था की सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ बैनर थामकर मानव श्रृंखला बनाई।

कार्यक्रम के दौरान इस व्यस्ततम सार्वजनिक स्थल पर राहगीरों में 150 से अधिक पौधे वितरित किए गए। पौधारोपण और उनके संरक्षण का महत्व बताते हुए सदस्यों ने नागरिकों से अधिक से अधिक हरियाली बढ़ाने का आह्वान किया ।कार्यक्रम में संस्था की अध्यक्ष अनीता गर्ग, सचिव रमिंदर अरोड़ा, कोषाध्यक्ष रीता गुप्ता, उपाध्यक्ष सीमा अग्रवाल वरिष्ठ सदस्य आशा सिंह, हरविंदर कौर, मंजू बांगर,अंजू अग्रवाल, रेखा जौहरी, सुभद्रा सक्सेना, सुषमा वर्मा, एकता जैन, पूर्णिमा भार्गव, अनिला रस्तोगी, ऊषा अग्रवाल,मीनू , शोभा सोनल ,दीपिका रस्तोगी, सहित अन्य सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही ।संस्था की ओर से यह संदेश दिया गया कि छोटे-छोटे प्रयास भी पर्यावरण की सुरक्षा में बड़ा योगदान दे सकते हैं।

7 साल में 5000 क्लब फुट ग्रस्त बच्चों को बनाया चलने के काबिल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। अगर जन्म के बाद बच्चे का पैर अंदर की ओर मुड़ा हो या कुछ समय बाद बच्चे को चलने में समस्या आए या वह लंगड़ाकर चले तो यह क्लब फुट के संकेत हो सकते है, इस समस्या से ग्रस्त होने पर अभिभावकों को बिना देरी किए बच्चे के इलाज कराना चाहिए। क्योंकि लापरवाही की वजह से यह समस्या बढ़ सकती है। क्लब फुट अब लाइलाज भी नहीं है। क्योंकि जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल में सात सालों में आए 5000 क्लब फुट ग्रस्त बच्चे चलने के काबिल बने है।

हैलट अस्पताल के अस्थि रोग विभाग की ओपीडी में गुरुवार को क्योर इंडिया फाउंडेशन व अस्थि रोग विभाग ने क्लब फुट डे का आयोजन किया, जिसमे घोषणा की गई कि राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत क्योर इंडिया फाउंडेशन द्वारा देश के विभिन्न अस्पतालों व चिकित्सा शिक्षण संस्थानों में 10 जून तक क्लब फुट सप्ताह मनाया जाएगा। अस्थि रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य देश भर में क्लब फुट विकार से ग्रस्त जन्में बच्चों के माता-पिता को इस विकार से अवगत करवाना है और यह बताना है कि यह बीमारी लाइलाज नहीं है। बच्चों के पूर्ण रूप से ठीक होने तक उपचार के लिए प्रेरित करना है, ताकि क्लब फुट ग्रस्त बच्चे भी आम बच्चों की तरह खेल व दौड़ सके। बताया कि विभाग में सात सालों में 5000 से अधिक बच्चे क्लब फुट विकार से ग्रस्त आए, जिनका पूर्ण रूप से इलाज किया जा चुका है। इनके अलावा अभी अन्य बच्चों का इलाज चल रहा है। यह बीमारी जन्म से होती है और बच्चे के पैर में टेढ़ापन होता है।

डॉ.रवि गर्ग ने बताया कि ओपीडी में क्लब फुट क्लीनिक का उद्देश्य जन्मजात टेढ़े पैरों का इलाज तत्काल प्रभाव से शुरू करना है। जब क्लब फुट ज्यादा गंभीर स्थिति में होता है, तो ऐसी स्थिति में सर्जरी ही बेहतर विकल्प होता है। सर्जरी में बच्चे के पैर के टेंडेंस, लिगामेंट्स, हड्डियों और जोड़ों को उनकी सही जगह पर किया जाता है। सर्जरी के बाद बच्चे को कुछ महीनों तक कास्ट पहनाया जाता है और कास्टिंग के बाद ब्रेसिंग की सलाह भी दी जाती है। बताया कि क्लब फुट के संबंध में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना जरूरी है, ताकि ग्रस्त बच्चों को सही इलाज मिल सके। डॉ.फ़हीम अंसारी ने बताया कि क्लबफुट सामान्य भी हो सकती है और कुछ परिस्थितियों में यह स्थिति गंभीर भी हो सकती है। यह शिशु के एक पैर या दोनों पैरों में भी दिखाई दे सकती है। पैर की मांसपेशियों को पैर की हड्डियों से जोड़ने वाले टेंडेंस के छोटे और तंग होने के कारण यह विकृति होती है ।

सीएम ग्रिड सड़क योजना का विशेष सचिव ने किया निरीक्षण

» महेंद्र बहादुर सिंह विशेष सचिव, नगर विकास विभाग/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, यूरिडा, उत्तर प्रदेश ने देखा सड़क निर्माण का हाल

» शहरी परिवहन के लिए अहम साबित होगी सीएम ग्रिड की सड़क: नगर आयुक्त सुधीर कुमार

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश शासन की अत्यंत महत्वाकांक्षी व जनकल्याणकारी सीएम ग्रिड सड़क योजना का क्रियान्वयन कानपुर शहर में चल रहा है। कार्यों का निरीक्षण महेंद्र बहादुर सिंह विशेष सचिव, नगर विकास विभाग/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, यूरिडा, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ द्वारा किया गया

कानपुर में सी0एम0 ग्रिड परियोजना अंतर्गत निर्माणाधीन सड़क बाबा कुट्टी से अलंकार गेस्ट हाउस होते हुए साउथ एक्स मॉल तक कुल लम्बाई 2.35 किलोमीटर है, सड़क का मुआयना किया गया। मौके पर सड़क पर आर0सी0सी0स्टॉर्म वॉटर ड्रेन/नाला निर्माण का कार्य, यूटिलिटी डक्ट का कार्य एवं सीवर लाइन डाले जाने का कार्य प्रगति पर पाया गया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी विशेष सचिव द्वारा कार्य की प्रगति से संतोष व्यक्त करते हुए निर्देशित किया गया कि निर्माण कार्यों के दौरान सुरक्षात्मक दृष्टिकोण को प्राथमिकता पर रखा जाए एवं जन सहभागिता को विशेष बल दिया गया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी, यूरिडा द्वारा कहा गया कि व्यावसायिक/मार्केट एरिया में यथासंभव कार्य को रात्रि के समय कराया जाना सुनिश्चित कराया जाए, जिससे कि जनमानस को अवागमन में किसी प्रकार की

असुविधा ना हो साथ ही संबंधित अधिकारी को यह भी निर्देशित किया गया कि संभव स्थलों पर कार्यों को युद्ध स्तर पर कराया जाए, जिससे कार्य की गति में और तीव्रता प्रदान की जा सके।

यह भी निर्देशित किया गया की कार्य के दौरान निर्धारित मानक, उच्च कोटि की गुणवत्ता, नवीन तकनीकी विधि का समावेश इत्यादि का विशेष ध्यान रखा जाए एवं स्थानीय लोगों को असुविधा का सामना न करना पड़े।मौके पर नगर आयुक्त सुधीर कुमार तथा मुख्य अभियंता सिविल जैदी, जोनल अभियंता दिवाकर भास्कर आदि अधिकारीगण मौजूद रहे।

कानपुर में मौत का खंभा! 11000 वोल्टेज का टूटा पोल बना जानलेवा खतरा

» डर के साए में हर रोज गुजरते हैं हजारों लोग, बिजली विभाग बेखबर

» स्थानीयों की शिकायतों पर नहीं हो रही कोई कार्रवाई, बड़ा हादसा कभी भी संभव

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर से शिवली जाने वाले मार्ग पर टिकरा स्थित बाबा मार्केट के समीप 11000 वोल्टेज का एक बिजली का खंभा पूरी तरह से नीचे से टूटा हुआ है, जो सिर्फ ऊपर से लटके हाई वोल्टेज तारों के बल पर खड़ा है। यह खंभा किसी भी वक्त गिर सकता है और बड़ी दुर्घटना को जन्म दे सकता है। यह मार्ग एक व्यस्ततम मुख्य मार्ग है, जहां से प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग पैदल, साइकिल, बाइक, और चारपहिया वाहनों से गुजरते हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, हाल ही में आई तेज आंधी में इलाके में कई खंभे और बिजली के तार टूट गए थे। हालांकि, यह खंभा उस वक्त केवल हल्का सा टेढ़ा हुआ और किसी तरह टिक गया, लेकिन अब इसकी हालत नाजुक बनी हुई है। लोगों की जान लगातार खतरे में है, परंतु संबंधित अधिकारी स्थिति को नजरअंदाज कर रहे हैं।

टिकरा बिजलीघर, जहां से यूपीपीसीएल (U.P.P.C.L) के माध्यम से बिजली की आपूर्ति की जाती है, वहीं पास में स्थित है। वर्तमान में यहां कार्यरत जेई विवेक सोनकर की गैरमौजूदगी में सुधीर उत्तम को कार्यभार सौंपा गया है। इसके बावजूद, इस गंभीर स्थिति पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

बबलू तिवारी (निवासी - ग्राम झखरा) ने कहा,यह खंभा बिल्कुल नीचे से टूटा हुआ है और ऊपर से केवल तारों के सहारे खड़ा है। यह किसी भी समय गिर सकता है। हमने कई बार बिजली विभाग के कर्मचारियों को इस बारे में जानकारी दी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस सड़क से हर रोज हजारों लोग निकलते हैं, और अगर यह गिरा तो बहुत बड़ा हादसा हो सकता है। हम लोग यहां जान जोखिम में डालकर गुजरते हैं। प्रशासन को तत्काल इस पर संज्ञान लेना चाहिए।

आनंद पांडे (निवासी - ग्राम पिपरा) ने बताया,मेरी गुमटी ठीक उसी खंभे के पास है। हर बार जब हवा तेज चलती है, तो दिल दहल जाता है। लगता है कि अब गिरा - अब गिरा। यह खंभा पिछली आंधी में भी थोड़ा टेढ़ा हुआ था, लेकिन अब इसकी हालत और बिगड़ चुकी है। मैंने खुद की बार बिजलीघर के कर्मचारियों इसकी मरम्मत के लिए कहा, पर किसी ने गंभीरता से संज्ञान नहीं लिया। अगर कोई दुर्घटना होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी विभाग की होगी। हमें डर के साए में व्यापार करना पड़ रहा है।

खबर का असर: उमरी गांव में सफाई अभियान शुरू

प्रशासन हरकत में आया, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। चौबेपुर ब्लॉक की नाडुपुर ग्राम पंचायत के उमरी गांव में गंदगी और नालियों की बदहाली को लेकर स्वराज इंडिया द्वारा उठाई गई खबर का असर अब नजर आने लगा है। खबर प्रकाशित होने के 24 घंटे के भीतर ही प्रशासनिक अमला हरकत में आया और गांव में सफाई कार्य शुरू करवा दिया गया। कई जगहों से जलभराव हटाया गया है और नालियों की सफाई की जा रही है।

उमरी गांव की गंदगी बनी बीमारी की जड़, प्रशासन बेखबर

हलचल खबर का असर

ग्रामीणों के मुताबिक, सुबह से ही सफाईकर्मी गांव में सक्रिय दिखे और गलियों में जमा कचरा हटाया गया। बदबूदार पानी को पंपिंग मशीन के ज़रिए बाहर निकाला गया। नालियों में जमा गाद की सफाई की जा रही है, जिससे संक्रमण के खतरे को कम करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।गांव की महिलाओं और बुजुर्गों ने राहत की सांस लेते हुए कहा कि मीडिया की ताकत ने आखिरकार प्रशासन को नींद से जगाया। ग्रामीणों ने स्वराज इंडिया का आभार जताते हुए कहा कि अगर यही तत्परता पहले दिखाई जाती, तो बीमारियों का खतरा इतना न बढ़ता।हालांकि, अभी भी कई स्थानों पर पूर्ण सफाई बाकी है और ग्रामीणों ने मांग की है कि यह केवल एक दिन की कार्रवाई न हो, बल्कि नियमित सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। वहीं स्वास्थ्य विभाग से भी फॉगिंग और एंटी लार्वा दवा के छिड़काव की मांग की जा रही है।स्वराज इंडिया प्रशासन से अपील करता है कि सफाई व्यवस्था को नियमित और जवाबदेह बनाया जाए ताकि उमरी गांव को स्थायी रूप से स्वच्छ और सुरक्षित रखा जा सके।

सम्पादकीय

ग्लोबल वार्मिंग का गहरा असर

कभी जिस मार्च के महीने को ठंड-गर्म के मिलेजुले सुहावने मौसम के रूप में याद किया जाता रहा है, उस दौरान यदि कई राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की जा रही है तो यह हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। निर्विवाद रूप से यह दीवार पर लिखी इबारत है कि ग्लोबल वार्मिंग का गहरा असर हमारे जन-जीवन पर गहरे तक पड़ रहा है। मौसम के मिजाज में अभूतपूर्व बदलाव देखिए कि जहां हाल ही में कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी व कुछ राज्यों में बारिश हुई है, वहीं मौसम विभाग ने देश के पांच राज्यों में गर्म हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है। एक ओर जहां झारखंड व ओडिशा में रेड अलर्ट जारी किया गया है तो पश्चिम बंगाल, ओडिशा और महाराष्ट्र में विदर्भ के इलाकों में गर्म हवा चलने की चेतावनी दी गई है। बीते रविवार को ओडिशा के एक शहर का तापमान 43.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं झारखंड में कुछ जगह पारा चालीस पार कर गया। पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में लू चलने की खबरें हैं। मौसम विज्ञानी हैरत में हैं कि जैसी गर्मी पिछले साल अप्रैल के महीने में महसूस की गई थी, वैसी गर्मी मार्च के मध्य में क्यों महसूस की जा रही है। मौसम विभाग इसकी वजह देश के ऊपर बना उच्च दबाव मानता है। वहीं साफ मौसम की वजह से सूरज की सीधी किरणें तेज पड़ रही हैं। चेतावनी दी जा रही है कि आगामी कुछ दिनों में देश के अधिकांश हिस्से तेज गर्मी की चपेट में आ सकते हैं। ऐसे में हमारी सरकारों को ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभावों के मद्देनजर बचाव के उपायों को तेज करने की जरूरत है। साथ ही नागरिकों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि लोगों का रहन-सहन, खान-पान और सार्वजनिक स्थलों पर व्यवहार कैसे रहें, ताकि लू की मार से बचा जा सके। गर्मी के दुष्प्रभाव पीड़ित लोगों के उपचार के लिये अस्पतालों में आपातकालीन वार्ड बनाए जाने की जरूरत है।यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मौसम के तेवरों में तल्खी के चलते हमारी खाद्य श्रृंखला भी खतरे में पड़ती दिखाई दे रही है। इन तीव्र बदलावों के चलते जहां खाद्यान्नों की पैदावार में गिरावट आ रही है, वहीं किसान बाढ़ व सूखे से भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। भारत में ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों पर शोध करने वाली एक संस्था का कहना है कि क्षेत्रीय आधार पर चरम मौसम की मार अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग प्रभाव डाल रही है। अब तक देश के जो इलाके बाढ़ के प्रभाव के लिये जाने जाते थे, वहां अब सूखे का असर दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर सूखाग्रस्त माने जाने वाले इलाकों में बाढ़ का प्रकोप बढ़ रहा है। ऐसे जिलों की संख्या सैकड़ों में बतायी जा रही है, जिसका सीधा असर फसल की पैदावार पर पड़ रहा है। यह तथ्य सर्वविदित है कि ग्लोबल वार्मिंग का असर विश्वव्यापी है, लेकिन भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश के लिए यह प्रभाव कालांतर में खाद्य संकट पैदा करने वाला साबित हो सकता है। वहीं दूसरी ओर समुद्री जल का तापमान बढ़ने से जो जल स्तर बढ़ रहा है, उसके चलते देश के कई द्वीपों व समुद्रतटीय इलाकों में जीवन पर संकट मंडराने लगा है। यहां तक कि उत्तराखंड में शीतकालीन खेलों की पहचान रखने वाले औली में कम बर्फ पड़ने के कारण इस बार भी शीतकालीन खेलों को स्थगित करना पड़ा है। वातावरण में बढ़ते तापमान के कारण यहां बर्फ समय से पहले ही पिघल गई। बीते साल देश के विभिन्न राज्यों में लू चलने की संख्या पिछले डेढ़ दशक में सबसे ज्यादा थी। आशंका जतायी जा रही है कि इस बार गर्मी नये रिकॉर्ड बना सकती है,

इतिहास के स्याह पक्ष से सबक लेने का वक्त

विश्वनाथ सचदेव

किसी क्रूर शासक की मजार का होना न होना कोई मायने नहीं रखता, मायने यह बात रखती है कि हम अपने आने वाले कल को बेहतर बनाने के प्रति कितने जागरूक हैं। इस जागरूकता का तकाज़ा है कि हम अपने देश को अलगाव की आग से बचाएं। हमें धार्मिक सौहार्द की हवा के ठंडे झोंकों की जरूरत है।

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के युवा किसान कैलाश नागरे को पांच साल पहले युवा किसान पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें यह सम्मान कृषि-कार्य में उल्लेखनीय सफलता पाने और किसानों में जागरूकता लाने के लिए किये गये प्रयासों के कारण मिला था। पांच दिन पहले कैलाश नागरे ने आत्महत्या कर ली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आत्महत्या का कारण यह था कि कैलाश भरसक प्रयास के बावजूद सरकार को उनके इलाके के खेतों में किसानों तक पानी पहुंचाने की मांग नहीं मनवा सके थे।

इसलिए हताशा में कैलाश ने यह आत्मघाती कदम उठाया है। वैसे भी किसानों की आत्महत्याओं का सिलसिला महाराष्ट्र में थमने का नाम नहीं ले रहा। पिछले पांच महीनों में देश के इस उन्नत समझे जाने वाले राज्य में एक हज़ार से अधिक किसान आत्महत्या कर चुके हैं।विकास के दावों के बावजूद महाराष्ट्र सरकार पर ऋण का बोझ लगातार बढ़ रहा है। सन? 2014 में यह राशि 2.94 लाख करोड़ रुपये थी-2024 में यह राशि बढ़कर 7.82 लाख करोड़ रुपये है।यह कुछ आंकड़े हैं जो चौंकाते भी हैं और परेशान भी करते हैं। परेशान इसलिए भी कि इन विषयों पर राज्य में चर्चा भी नहीं हो रही। इस बारे में न सरकार कुछ बोल रही है और न ही विपक्ष कुछ करता दिखाई दे रहा है। यह सब भुलाकर राजनीति के गलियारों में आज चर्चा एक ऐसे बादशाह की कब्र को लेकर हो रही है, जिसे मरे हुए सात सौ साल से अधिक हो चुके हैं। चर्चा ही नहीं हो रही आंदोलन शुरू हो गया है सारे राज्य में। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल जैसे संगठनों ने तो घोषणा कर दी है कि यदि महीने भर के भीतर सरकार इस कब्र को नष्ट नहीं कर देती तो उनके लाखों कार्यकर्ता 'कार सेवा करके' यह काम करेंगे। जहां तक सरकार का सवाल है राज्य के भाजपाई मुख्यमंत्री इसे एक 'दुर्भाग्य' बता रहे हैं कि उन्हें औरंगजेब जैसे बादशाह की कब्र की रक्षा का दायित्व निभाना पड़ रहा है। फिर भी उन्होंने घोषणा की है कि वे औरंगजेब का महिमामंडन नहीं होने देंगे।जी हां, विवादों के केंद्र में जो कब्र है वह मुगल बादशाह औरंगजेब की है। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में 717 साल पहले औरंगजेब की मृत्यु हुई थी, और वहीं उसे दफना दिया गया था। औरंगजेब की इच्छा के अनुसार इस सादी-सी कब्र के ऊपर छत भी नहीं बनायी गयी थी। पहले छत्रपति शिवाजी महाराज और फिर उनके बाद मराठा शासकों को हराने में औरंगजेब को पूरी सफलता कभी नहीं मिल पायी। वह मराठा शासन को समाप्त करना चाहता था, पर उसी मराठा-भूमि में उसे अपने प्राण त्यागने पड़े! यह सब हमारे इतिहास का हिस्सा है। औरंगजेब की क्रूरता से सब परिचित हैं। यह भी सही है कि उसने जनता पर कई तरह से अत्याचार किये। यह भी जग जाहिर है कि उसने अनेक हिंदू मंदिरों को तोड़ा। यहां अनेक का मतलब सैकड़ों से लेकर हज़ारों तक बताया जाता है। उसकी क्रूरता का आलम यह था कि गद्दी हथियाने के लिए उसने अपने भाई को मरवा डाला, अपने पिता शाहजहां को आगरा के किले में बंदी बनाकर रखा, उसे पीने के लिए पानी भी नाप के दिया जाता था। औरंगजेब की क्रूरता हमारे इतिहास का हिस्सा है। इसी तरह यह भी एक हकीकत है कि इस क्रूर शासक ने लगभग पचास साल तक राज किया था। इस दौरान उसने मंदिर तुड़वाये भी और मंदिर बनवाये भी। औरंगजेब ने वह सब किया जो कोई क्रूर शासक करता है। शिवाजी महाराज का तो वह कुछ बिगाड़ नहीं सका, पर उनके बाद छत्रपति संभाजी महाराज के साथ उसने जो क्रूरता बरती वह अपने आप में किसी पराकाष्ठा से कम नहीं थी।

छत्रपति संभाजी महाराज की गाथा इन दिनों सुनी-सुनायी जा रही है। उनके जीवन-चरित्र को लेकर बनी चर्चित फिल्म 'छावा' ने औरंगजेब के अत्याचारों को फिर से चर्चा का विषय बना दिया है।

बलूचिस्तानी की आज़ादी के लिए तेज हुआ संघर्ष

हमलों से बौखलाया पाक

डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव

दशकों के शोषण और दमन के खिलाफ बलूचिस्तान के लड़ाकों ने हाल के दिनों में कई बड़े हमले करके पाकिस्तान को बैकफुट पर ला दिया है।?हाल ही में एक ट्रेन का अपहरण व सुरक्षा बलों पर हमले की घटनाओं से बलूच लड़ाकों के हौसलों का पता चलता है।पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में इन दिनों बलूच लिबरेशन आर्मी, बलूच लिबरेशन फ्रंट और बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स ने मिलकर पाकिस्तान और वहां तैनात चीनी सेना के जवानों की नाक में दम कर रखा है। इन संगठनों ने मिलकर 'बलूच नेशनल फ्रीडम मूवमेंट' चला रखा है।

मकसद बलूचिस्तान की आज़ादी की लड़ाई एक साथ मिलकर लड़नी है। इन संगठनों ने निर्णय लिया है कि पाकिस्तान के साथ-साथ चीन से अपने संसाधनों के शोषण को रोकना है और अपने अभियानों को और तेज़ करना होगा।

गत 11 मार्च को बलूचिस्तान के कच्छी जिले के आब-ए-गम इलाके के पास सुरंग में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पर कुछ बंदूकधारियों ने हमला करके उसे अपने कब्जे में ले लिया। इस हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली और दावा किया कि उनकी गोलीबारी में 30 लोग मारे गए तथा 214 यात्रियों को बंधक बना लिया है। यह ट्रेन क्वेटा से पेशावर जा रही थी, जिसमें तकरीबन 500 यात्री सवार थे। इस रेल मार्ग पर 17 सुरंगे हैं और रास्ता कठिन होने के कारण रेल की गति धीमी रहती है। इस घटना के बारे में बलूचिस्तान की सरकार ने बताया कि 80 यात्रियों को बचा लिया गया। इसके अलावा सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 13 हमलावर मारे गए।

पाकिस्तान इस घटना के बाद से

दूसरे देशों पर आरोप मढ़ने में जुटा हुआ है। गत 13 मार्च को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने अपनी साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि भारत अलगाववादियों की मदद कर रहा है। जाफर एक्सप्रेस पर हमले के समय आतंकवादी अपने हैंडलर्स और अफगानिस्तान में रिंग लीडर्स के संपर्क में थे। इन आरोपों को भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सख्ती से खारिज करते हुए कहा कि पाकिस्तान द्वारा लगाए गए ये निराधार आरोप हैं। पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। पाकिस्तान को दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय अपना आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान सरकार और सेना इस घटनाक्रम में बलूच विद्रोहियों से निपटने में असफल दिखी है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने दावा किया कि उन्होंने जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक करने वाले 33 बीएलए विद्रोहियों को खत्म कर दिया है लेकिन सफल ऑपरेशन की कोई तस्वीर तक जारी नहीं की।जाफर एक्सप्रेस की घटना से पाकिस्तानी सेना अभी उबर भी नहीं पाई थी कि बलूच लिबरेशन आर्मी के विद्रोहियों ने 16 मार्च को बलूचिस्तान प्रांत के नोशकी जिले में पाकिस्तानी सेना के काफिले पर अचानक हमला करके बड़ी संख्या में सैनिकों को मार डाला। यह काफिला क्वेटा से कफ्तान जा रहा था। बीएलए के दावे के मुताबिक, 90 सैनिकों को मार डाला गया। बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए वीडियो भी जारी किया है। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तानी पुलिस ने हमले में तीन सैनिकों और दो नागरिकों के मारे जाने तथा 30 जवानों के घायल होने की पुष्टि की है। बीएलए द्वारा जारी बयान में कहा गया कि उसके आत्मघाती दस्ते मजीद ब्रिगेड ने नोशकी में रक्षक मिल के पास पाकिस्तानी सेना के काफिले को निशाना बनाया। इस काफिले में आठ बसें थीं, जिनमें से एक बस पूरी तरह ध्वस्त हो गई। दूसरी बस को फतेह ब्रिगेड ने घेर लिया और उसके सभी जवानों को मार डाला।दरअसल, बलूच अपनी आज़ादी के लिए अभियान चला रहे हैं। सन 1947 से पहले ही बलूचिस्तान में भी आज़ादी की मांग तेज हो गई थी। 4 अगस्त, 1947 को दिल्ली में हुई मीटिंग में माउंटबैटन के साथ कलात के वकील के रूप में मोहम्मद अली जिन्ना थे, जिन्होंने कलात, खरान, लास बेला और मकरान को मिलाकर बलूचिस्तान बनाने का सुझाव दिया था।

ईदुल-अजहा

बकरीद पर कुर्बानी करने से पहले

क्यों गिने जाते हैं बकरे के दांत, किन्हें नहीं देनी चाहिए कुर्बानी

बकरा ईद का त्योहार इस्लामिक कौम का एक बहुत ही अहम त्योहार है। और इस त्योहार में बकरे सहित कुछ जानवरों की कुर्बानी भी दी जाती है।और इस साल भारत में 7 जून को बकरीद यानि ईद उल अजहा मनाई जाएगी। और तारीख का ऐलान दस दिन पहले चांद दिखने के बाद ही किया गया।

बकरीद, ईद उल फितर के 2 महीने 9 दिन बाद ही मनाई जाती है। और इस्लामिक कैलेंडर के 12वें महीने जुल-हिज्जा के दसवें दिन बकरीद मनाई जाती है। बकरा ईद को क़ुर्बानी का त्यौहार मन जाता हैं। और ये परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। इस्लाम के प्रमुख पैगंबरों में से हजरत इब्राहिम की वजह से कुर्बानी देने की परंपरा शुरू हुई।

और माना जाता है कि अल्लाह ने एक बार पैगंबर इब्राहिम के ख्वाब में आकर उनसे उनकी सबसे प्यारी चीज कुर्बान करने को भी कहा। और इब्राहिम को अपनी इकलौती औलाद उनका बेटा इस्माइल सबसे अजीज था।

हजरत इब्राहिम 80 साल की उम्र में पिता बने थे। लेकिन अल्लाह के हुक्म के आगे वह बेटे को कुर्बान करने को तैयार हो गए। और उन्होंने अपनी आंख पर पट्टी बांधकर जैसे ही बेटे की गर्दन पर छुरा रखा, तभी उसकी जगह दुंबा आ गया।

और फिर तभी से बकरा ईद का त्योहार मनाया जाता आ रहा है।और यह तो सब जानते हैं कि बकरा ईद पर बकरे की कुर्बानी दी जाती है। लेकिन कम ही लोग जानते होंगे कि बकरे की कुर्बानी से पहले उसके दांत गिने जाते हैं। दरअसल दांत गिनकर बकरे की उम्र का पता लगाया जाता है।

क्योंकि कुर्बानी एक साल के बकरे की ही दी जाती है। और उससे कम उम्र के बकरे की कुर्बानी जायज नहीं होती। जब बकरे के दांत 4-6 हो तो माना जाता है कि वह एक साल का है। और उससे कम दांत होने पर उसकी कुर्बानी नहीं दी जाएगी।

वह 6 से ज्यादा दांत होने पर भी बकरे की कुर्बानी जायज नहीं है। ये भी कहा जाए तो बकरीद पर न ही नवजात और न ही बुजुर्ग बकरे की कुर्बानी दी जाती है।

राजगढ़ शहर काजी सैयद नाजिम अली ने ये भी बताया कि , बकरे के दांत इसलिए नहीं देखे और गिने जाते की वो दांत वाला है या नहीं। बल्कि दांतों से उसकी उम्र का अंदाजा भी लगाया जाता है कि, बकरे की उम्र एक साल पूरी हो गई है या नहीं।

क्योंकि कुर्बानी के लिए बकरे का एक साल का होना जरूरी है। और यदि उसके दो दांत हैं तो उसने एक साल पूरा कर लिया है, और यदि कोई बकरा स्वयं का पाला हुआ है और उसके दो दांत नहीं भी हैं। और उसने एक साल पूरा कर लिया है तो वह भी कुर्बानी के लिए जायज भी है।

और फिर कुर्बानी के लिए जानवर आंख बंद कर नहीं खरीदे जाते हैं। और उन्हें खरीदने के कुछ नियम भी तय है। और जैसे बकरा या कुर्बानी का कोई भी जानवर बीमार न हो, उसे कोई चोट न लगी हो।

और फिर बकरे के सींग टूटे हुए न हों और उसकी उम्र एक साल हो गई हो। जब आप बकरा खरीदने जाएं तो बकरे की अच्छे से जांच कर लें कि वह बीमार तो नहीं है। बीमारी का पता लगाना भी मुश्किल काम है।

लेकिन बकरों में हो रहे बदलाव से बीमारी का पता लगाया जा सकता है। और जिस बकरे की आंखें हल्की गुलाबी या पूरी तरह से सफेद हो गई है तो इसका मतलब बकरे के पेट में पैरासाइड हैं जो उसका खून चूस रहे हैं।

साथ ही ईद उल अजहा हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की कुर्बानी की याद में मनाई भी जाती है। और फिर ईद पर सबसे पहले सुबह ईदगाह और मस्जिदों में नमाज अदा की जाती उसके बाद कुर्बानी भी दी जाती है।

सात जून को मनाई जाएगी बकरीद

दिल्ली समेत देश के विभिन्न राज्यों में बुधवार शाम ईद-उल-अज़हा के चांद के दीदार हो गए जिसके बाद सात जून को बकरीद का त्योहार मनाने का मुस्लिम धर्मगुरुओं ने ऐलान किया। चांदनी चौक स्थित फतेहपुरी मस्जिद के शाही इमाम डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने बताया कि उनकी मस्जिद से शाम में इस्लामी कैलेंडर के आखिरी महीने 'ज़लि हिज्जा' का चांद साफ तौर पर दिखा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, हरियाणा समेत देश के अलग अलग राज्यों से भी चांद देखे जाने की पुष्टि हुई है। मुफ्ती ने कहा, ''लिहाज़ा, ईद-उल-अज़हा का त्योहार सात जून को मनाया जाएगा।उन्होंने कहा कि ईद-उल-जुहा या अज़हा या बकरीद, ईद उल फित्र के दो महीने नौ दिन बाद मनाई जाती है। इस्लामी कैलेंडर में 29 या 30 दिन होते हैं जो चांद दिखने पर निर्भर करते हैं। जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद शाबान बुखारी ने एक बयान में कहा कि देश के अलग-अलग राज्यों में चांद दिखने के बाद मस्जिद की चांद समिति ने सात जून (शनिवार) को बकरीद का त्योहार मनाए जाने की घोषणा की। बुखारी के मुताबिक, 29 मई को इस्लामी कैलेंडर के आखिरी महीने 'ज़लि हिज्जा' की पहली तारीख है। वहीं, मुस्लिम संगठन इमारत-ए-शरिया हिंद ने भी कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से चांद दिखने की पुष्टि हुई है और कुर्बानी का त्यौहार सात जून को मनाया जाएगा।इस्लामी मान्यता के अनुसार, पैगंबर इब्राहिम अपने पुत्र इस्माइल को इसी दिन अल्लाह के हुक्म पर अल्लाह की राह में कुर्बान करने जा रहे थे, तो अल्लाह ने उनके बेटे को जीवनदान दे दिया और वहां एक पशु की कुर्बानी दी गई थी जिसकी याद में यह पर्व मनाया जाता है। तीन दिन चलने वाले त्योहार में मुस्लिम समुदाय के लोग अपनी हैसियत के हिसाब से उन पशुओं की कुर्बानी देते हैं, जिन्हें भारतीय कानूनों के तहत प्रतिबंधित नहीं किया गया है। मुफ्ती मुकर्रम ने कहा, ''मुस्लिम समुदाय के जिन लोगों के पास करीब 612 ग्राम चांदी है या इसके बराबर के पैसे हैं या कोई और सामान है, वे कुर्बानी करने के पात्र हैं।

48 घंटे में गिरफ़्तारी नहीं तो गाँधीवादी तरीके से धरना देंगे

- हमलावरों की गिरफ़्तारी न होने पर सपा नेत्री ने खोला मोर्चा, तहसील में की नारेबाजी
- एसीपी व एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर दबंगों को गिरफ़्तार करने की माँग की
- खासपुर गांव में पूर्व प्रधान पर जानलेवा हमले का मामला
- एक आरोपी को पुलिस भेज चुकी है जेल

स्वराज इंडिया /संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। इन दिनों बिल्हौर सर्किल के थाना अरौल क्षेत्र का खासपुर गांव काफी चर्चा में बना हुआ है।

वजह बीते दिनों हुई पूर्व प्रधान पर हमले के बाद गरमाई सियासत है। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। और बाकियों की तलाश के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

अरौल निवासी बिल्हौर विधानसभा से सपा की पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह ने पूर्व प्रधान अशोक कटियार पर हमलावरों की गिरफ़्तारी न होने पर मोर्चा खोलते हुए गुरुवार को दर्जनों सपाइयों एवं गांव वालों के साथ तहसील पहुंचकर नारेबाजी की। और एसडीएम व एसीपी बिल्हौर को ज्ञापन सौंपकर हमलावरों की गिरफ्तारी की आवाज बुलंद की।

अधिकारियों को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि अरौल थाना क्षेत्र के ग्राम खासपुर में बीते दिनों पूर्व प्रधान अशोक कटियार पर गांव के कुछ दबंगों द्वारा जानलेवा हमला किया गया।आरोप है कि 10 दिन बीत गए लेकिन अभी तक मुख्य आरोपी सत्ता पक्ष के संरक्षण के कारण पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। वहीं आरोपित परिवार के लोग पीड़ित परिवार को लगातार धमकी दे रहे हैं। पीड़ित परिवार भय के कारण गांव से पलायन करने को मजबूर है। आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की गई है। साथ ही कहा है कि 48 घंटे में आरोपियों को गिरफ्तारी नहीं होती है तो हम समाजवादी लोग गांधीवादी तरीके से धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। इस दौरान सपा के बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव,अंशुमान, लोकेश अवस्थी, बिलाल पठान समेत कई लोग मौजूद रहे।

घर बेचने के कुछ गांव वालों ने लगाए पोस्टर

एक नेता के इशारों पर चस्पा किए गए पोस्टर गए- सूत्र

जानकारी में आया है कि दबंगों के भय से गांव में एक बिरादरी के कुछ लोगों ने मकान बिकाऊ है के जो पोस्टर चस्पा किए हैं उसके पीछे सियासतदानों का हाथ है।

सूत्रों की मानें तो गांव वालों ने डर से नहीं बल्कि एक चर्चित नेता के इशारे पर यह सब किया है।

जिससे राजनीतिक रोटियां सेकी जा सकें। अरौल इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह का कहना है ऐसे लोगों पर भी पुलिस कार्रवाई करेगी।

गांव में मकान बिकाऊ है के पोस्टर चर्चा में

पूर्व प्रधान पर हुए जानलेवा हमले के बाद गांव में एक बिरादरी के करीब 35 लोगों ने अपने घर के मुख्य द्वार पर मकान बिकाऊ है के पोस्टर चस्पा किए हैं। जो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए हैं। जिसने पुलिस पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिस एक आरोपी को भेज चुकी है जेल

पूर्व प्रधान पर हुए हमले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। आपका अपना स्वराज इंडिया अखबार उस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो वायरल होने के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। और एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अभी तीन आरोपी फरार है जिसकी तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

भाजपा किसी अपराधी का समर्थन नहीं करती - पूर्व ज़िला उपाध्यक्ष

मामले में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष जय प्रकाश कटियार (जेपी) का कहना है कि भाजपा के विधायक, सांसद जनप्रतिनिधि व भाजपा पार्टी किसी भी अपराधी का समर्थन नहीं करती है। जो आरोप विपक्ष के द्वारा लगाए जा रहे हैं। वो पूरी तरह निराधार है। अपनी राजनीति चमकाने के लिए लोग कुछ भी बोलते हैं।इससे फर्क नहीं पड़ता है। पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है।

‘पौधा लगाओ, जीवन बचाओ’ डेरापुर थाने में पर्यावरण दिवस पर जागरूकता अभियान

» थाना प्रभारी महेश कुमार सिंह ने किया पौधारोपण, बोले- हर परिवार साल में लगाए उतने पेड़, जितने सदस्य

सचिन सिंह चौहान स्वराज इंडिया

कानपुर देहात(माती)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद में विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली गई। इसी क्रम में डेरापुर थाना परिसर में भी एक विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें थाना प्रभारी महेश कुमार सिंह व सहयोगी परवेज़ अली ने पौधारोपण कर जागरूकता का संदेश दिया।

थाना प्रभारी महेश कुमार सिंह ने पौधारोपण के महत्व को समझाते हुए कहा कि पर्यावरण दिवस की शुरुआत वर्ष 1973 में हुई थी और आज 53वां पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज हम प्रकृति के महत्व को

नज़रअंदाज़ कर रहे हैं—बढ़ती गर्मी, घटती बारिश और बिगड़ता मौसम इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।उन्होंने कहा, फजब धरती पर पेड़ नहीं होंगे, तो ऑक्सीजन कहां से मिलेगी? मानसून कैसे बनेगा? जल संकट और सूखा हमारे सामने खड़ा हो जाएगा। हमें समझना होगा कि पेड़-पौधे धरती के गहने हैं। अगर ये गहने फीके पड़ गए, तो धरती वीरान हो जाएगी। महेश कुमार सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आएं और हर वर्ष अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य के नाम पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं। उन्होंने यह भी कहा, अगर किसी नवयुवक को पौधारोपण में कोई दिक्कत है, तो हमें बताएं - हम साथ में पौधा लगाएंगे।उन्होंने यह भी अपील की कि यदि कोई व्यक्ति पेड़ों की कटाई करता है, तो उसकी सूचना तत्काल नजदीकी थाने या वन विभाग को दें ताकि उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

डेरापुर थाना प्रभारी महेश कुमार सिंह के नेतृत्व में चलाया गया यह अभियान पर्यावरण के प्रति एक सकारात्मक पहल है, जिससे स्थानीय लोग काफी प्रेरित हुए हैं।

नाबालिग ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

» डांट से नाराज होकर खेत की मढ़ैया में लगाया फंदा, परिजनों में मचा कोहराम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। देवराहट थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिमरिया गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब एक 14 वर्षीय नाबालिग किशोर ने खेत की मढ़ैया में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों के अनुसार, मामूली सी डांट के बाद वह नाराज होकर घर से बाहर निकल गया और खेतों की ओर चला गया।मृतक की पहचान राजा सिंह पुत्र विजय नारायण के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि किसी बात को लेकर घर में उसे डांट दिया गया था, जिससे नाराज होकर वह घर से निकल गया। जब काफी देर तक वह वापस नहीं लौटा तो परिवारजन उसे ढूंढने निकले। खेतों में बनी एक मढ़ैया में उसका शव गमछे से लटकता हुआ मिला, जिसे देखकर परिजनों के होश उड़ गए।घटना की सूचना मिलते ही देवराहट थाने से दरोगा ओम प्रकाश शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को नीचे उतरवाया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।इस दुखद घटना से गांव में शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस अन्य पहलुओं पर भी ध्यान दे रही है।गौरतलब है कि किशोर की उम्र केवल 14 वर्ष थी और वह कक्षा 8 का छात्र था। परिवारजन बेटे की असामयिक मौत से सदमे में हैं।

भीषण गर्मी में मंगटा मोड़ पर नवयुवकों ने पिलाया राहत का शरबत

» अब राहगीरों को नवयुवकों ने पिलाया ठंडा शरबत, वृद्धों ने दिया आशीर्वाद- समाजसेवा ऐसे ही करते रहो

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)। गजनेर-नवीपुर मार्ग स्थित मंगटा मोड़ पर कड़कती धूप और भीषण गर्मी से परेशान राहगीरों के लिए नवयुवकों ने ठंडा शरबत वितरण कर राहत पहुंचाई। राह चलते लोगों को रोक-रोककर नवयुवकों ने शरबत पिलाया।

इस पहल से लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की और नवयुवकों की इस समाजसेवी भावना की सराहना की।

शरबत पीने के बाद बुजुर्ग राहगीरों ने युवाओं को आशीर्वाद देते हुए कहा, ऐसे ही समाजसेवा करते रहो, भगवान तुम्हारा भला करे।

इस पुनीत कार्य में गोलू सिंह, राममिलन सिंह, शैलेन्द्र सिंह, शिवा सिंह, बिहारी सिंह, विमल सिंह, गोविंदा सिंह और चम्मू कछवाह सहित कई नवयुवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। भीषण गर्मी में की गई इस पहल ने राहगीरों के चेहरों पर मुस्कान ला दी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

खरीफ सीजन से पहले किसानों को मिला वैज्ञानिक मार्गदर्शन

» ग्राम पंचायतों में चला जागरूकता अभियान, दी गई उन्नत खेती की जानकारी

बीमा योजना, नैनो उर्वरक और सोलर पंप जैसी योजनाओं से कराया अवगत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रबी सीजन के समापन के बाद खरीफ फसलों की तैयारी को लेकर विकासखंड रसूलाबाद में ग्राम पंचायत स्तर पर विकसित कृषि अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अमरोहिया, मलिखानपुर जमथर और देवगांव चक्कर उर्फ निभू सहित कई गांवों में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, फसल प्रबंधन और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

डॉ. राजेश राय, डॉ. देव ज्योति सेन गुप्ता और डॉ. विजय लक्ष्मी ने धान, ज्वार, बाजरा, मूंग और तिल जैसी खरीफ फसलों की बुआई, देखभाल और रोग नियंत्रण पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

किसानों के सवालों के भी जवाब दिए गए, जिससे उन्हें व्यवहारिक समाधान मिले।उप कृषि निदेशक रामवचन राम ने किसानों को कृषि यंत्रीकरण, कुसुम योजना और सोलर पंप से जुड़ी जानकारी दी।

विषय विशेषज्ञ कश्मीर सिंह ने जैविक खेती को अपनाने की अपील की, जबकि कृष्णकांत तिवारी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभ बताए। इफको के अक्षय राज ने नैनो यूरिया व डीएपी की उपयोग विधि से अवगत कराया।

इस अवसर पर ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक जगप्रसाद, दिलीप कुमार समेत क्षेत्रीय किसान सुशील पाठक, ब्रजेश, रामशंकर, श्याम सिंह, देवकी देवी, विमला और रामवती समेत कई कृषक उपस्थित रहे।

सेंट्रल स्टेशन जीआरपी ने मोबाइल चोरों को किया गिरफ्तार

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। जीआरपी ने ट्रेनों में मोबाइल और अन्य कीमती सामान चुराने वाले चोरों को गिरफ्तार किया। शातिर चोर मो. समीर, मो. निजाम बेकन गंज कानपुर निवासी है। दोनों चोरों को सेंट्रल स्टेशन के आउटर झकरकटी पुल के पास चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है।

जीआरपी थाना प्रभारी ओम नारायण सिंह ने बताया कि दोनों शातिर चोरों के पास चोरी के चार मोबाइल बरामद किया गया है। जिसकी अनुमानित कीमत 2,00,000 रुपए है।

इनसे जब सख्ती से पूछताछ की गई तो बताया कि ट्रेन प्लेटफार्मों पर सो रहे यात्रियों का सामान चोरी कर लेते हैं। चोरी किया समान अनजान लोगों को अपनी मजबूरी बता कर बेच दिया करते हैं। दोनों चोर पहले भी थाना कानपुर जीआरपी,लखनऊ, कानपुर, एटा से कार्यवाही कर जेल भेजा गया है। आज जीआरपी कानपुर से चोरों के विरुद्ध विधिक आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 73310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध
- आई०सी०यू०/सी०सी०यू०।
- वेंटीलेटर, ए०वी०जी०ए०, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
- C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
- ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
- डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा

आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध

उपलब्ध सुविधाएंः– ए०बीजी०ए० मशीन

1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;च्प्ब्न्ध्द्ध 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.

डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर

विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

लोनी कटरा क्षेत्र में चल रहे अवैध खनन पर एक्शन

» छापेमारी की खबर सुनकर ट्रैक्टर छोड़ कर भाग गए माफिया

त्रिवेदीगंज(बाराबंकी)। लोनी कटरा थाना क्षेत्र के रंबडहिया गांव के समीप आज कई दिनों से एक अवैध खनन चल रहा था,सूचना पर पहुंची।

पुलिस को देखते ही खनन माफिया ट्रेक्टर ट्राली लेकर भागने लगे,घेराबंदी करते करते एक ट्रेक्टर ट्राली मिट्टी भरकर फरार हो गया,वही जब तक पुलिस ट्रेक्टर ट्राली तक पहुंची तक तक खनन माफियाओं के चालाक ड्राइवर ने ट्राली से मिट्टी पलट दी। सूत्रों की माने तो पुलिस ट्रेक्टर व चालक सहित खनन ठेकेदार को भी गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष दौमित्र सेन रावत ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम गई थी। ट्रेक्टर ट्राली सीज कर दिया गए है ट्रेक्टर चालक सूरज पुत्र हनुमान व उनके दो भाई शिवम विनोद को भी गिरफ्तार किया गया है। जिन्हें जेल भेजा जा रहा है।

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार हुआ अपराधी

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। थाना देवा क्षेत्र में स्वाट और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने एक वांछित अपराधी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर माती पुल से सैहारा रोड के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार को रोका गया।संदिग्ध ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया और टीम पर फायरिंग कर दी।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लग गई। घायल आरोपी की पहचान सैज हुसैन उर्फ फैय्याज हुसैन के रूप में हुई, जो बहराइच का रहने वाला है और फिलहाल लखनऊ के गोमती नगर में रह रहा था।

तलाशी के दौरान आरोपी से वेयर हाउस चोरी से संबंधित 20 हजार रुपये नकद, एक मोटरसाइकिल (उप 32 जीएफ 0694), एक अवैध तमंचा 315 बोर, एक खोखा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि सैज हुसैन के तीन साथी विशाल कुमार रावत, संजीत साहनी और मोहित रावत पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

एक अन्य साथी गोविंद चोरी के दूसरे मामले में चिनहट थाने से गिरफ्तार होकर जेल में है। सैज हुसैन पर थाना देवा क्षेत्र से एक मोटरसाइकिल चोरी का मामला भी दर्ज है, जिसे 5 जून 2025 को बरामद कर लिया गया था। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

मेरठ में हॉरर किलिंग: मां ने गला घोंटा, भाई काट ले गए सिर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मेरठ। यूपी के मेरठ में मेरठ के बहादुरपुर गांव में ऑनर किलिंग्स का सनसनी खेज मामला सामने आया है। गुरुवार सुबह एक किसान ने रजवाहे के पानी में एक युवती का सिर कटा शव तैरता हुआ देखा. किसान ने पास जाकर देखा तो उसका सिर गायब था. यह नज़ारा देखकर किसान के पैरों तले ज़मीन खिसक गई.ये खबर गांव में आग की तरह फैल गई. जिस युवती का सिर कटा शव मिला था वह 12वीं क्लास में पढ़ती थी. छात्रा के परिजनों ने इस हत्या की वारदात को अंजाम दिया था. प्रेम प्रसंग के चलते हॉरर किलिंग की वारदात को अंजाम दिया गया. पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

» **प्रेम प्रसंग के चलते मां ने परिवार वालों के साथ मिलकर कर दी अपनी नाबालिक लड़की की हत्या**

» **मेरठ के परतापुर क्षेत्र के बहादुरपुर गांव में एक छात्रा की सिर कटी लाश मिली. पुलिस ने जांच शुरू की तो शव 17 वर्षीय आस्था का निकला.**

पुलिस की जांच में सामने आया है कि दौराला के दादरी गांव निवासी आस्था उर्फ तनिष्का (17) बुधवार दोपहर को अपने दोस्त से फोन पर बात कर रही थी. मां ने बेटी आस्था से फोन छीन लिया. इसी बात को लेकर मां-बेटी में हाथापाई हो गई. फिर इसके बाद मां ने अपनी बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी.इसकी जानकारी मां ने अपने भाइयों को दी और वह भी कार से महरौली गांव से दादरी पहुंचे. इस वारदात में ममेरे भाई, दो मामा और मौसेरे भाई शामिल थे.उन्होंने आस्था का शव ठिकाने लगाने की योजना बनाई. छात्रा का सिर धारदार हथियार से काटा और उसका धड़ परतापुर के बहादरपुर रजबहे में फेंककर चले गए. छात्रा के सिर को नहर में फेंक दिया. पुलिस ने आरोपी मां और ममेरे भाइयों को हिरासत में ले लिया है. मेरठ के थाना परतापुर क्षेत्र में लाश मिली थी . हिरासत में ममेरे भाई मंजीत उर्फ मोनू की निशानदेही पर आस्था के कटे हुए सिर की तलाश गुरुवार देर रात तक जारी है.

ऐसे हुई मृतका की पहचान

सलवार की जेब से मिले दोस्त के मोबाइल फोन नंबर से ही इस हत्याकांड का खुलासा हुआ है. पहले पुलिस दोस्त तक पहुंची, उसने शव देख कर आस्था उर्फ तनिष्का के रूप में मृतका की पहचान की.

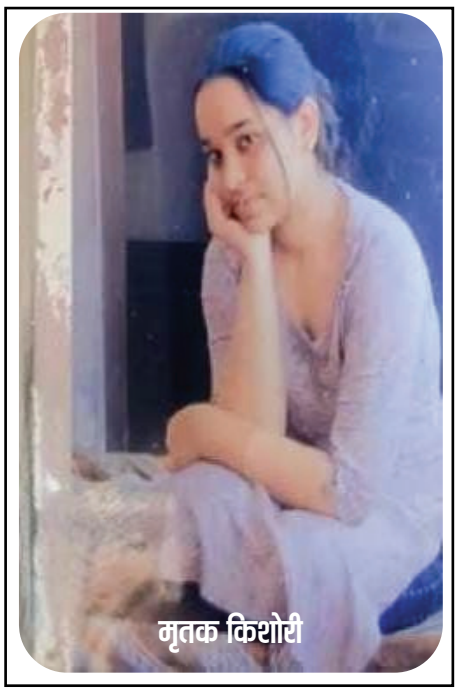
मृतक किशोरी

अयोध्या के होटल में हैवानियत की कोशिश

» **अयोध्या दर्शन को आए परिवार की बेटी से होटल में दरिंदगी का मामला सामने आया**

» **होटल मालिक के साले ने की किशोरी से छेड़छाड़**

» **वीडियो की जांच के बाद दोषियों के खिलाफ होगी कड़ी कार्यवाही-सीओ आशुतोष त्रिपाठी**

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। श्रद्धा की नगरी अयोध्या में एक परिवार के साथ जो घटा, उसने न सिर्फ उनकी आस्था को झकझोर दिया बल्कि पर्यटन के नाम पर बढ़ रहे होटल धंधे के स्याह चेहरे को भी उजागर कर दिया। दर्शन करने आए बिहार के भोजपुर निवासी परिवार की 13 वर्षीय बेटी के साथ श्रीराम पैलेस होटल में छेड़छाड़ की शर्मनाक घटना सामने आई है।

पीड़ित परिवार 29 मई को लखनऊ में आईपीएल मैच देखने के बाद अयोध्या पहुंचा था। रामलला के दर्शन के दौरान पत्नी की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से छुट्टी मिलने के बाद रात को परिवार श्रीराम पैलेस होटल में रुका। लेकिन रात करीब 1-30 बजे जब सब गहरी नींद में थे, तभी बेटी की चीख से परिवार की नींद टूटी। कमरे की लाइट जलाने पर देखा गया कि एक अनजान युवक कमरे में खड़ा है। पूछताछ में युवक ने खुद को होटल मालिक का साला सौरभ गुप्ता बताया और बहाना बनाया कि हालचाल पूछने आया था।

यह रहस्य अभी तक बना हुआ है कि वह अंदर से बंद कमरे में कैसे घुसा। पीड़ित परिवार ने युवक की हरकत का वीडियो बनाकर सबूत के तौर पर सुरक्षित रखा और भयभीत होकर उसी रात दो बजे होटल छोड़कर अयोध्या से रवाना हो गए।

मीडिया के सवाल पर होटल मैनेजर का कबूलनामा

जब स्वराज इंडिया संवाददाता ने श्रीराम पैलेस होटल पहुंचकर सच्चाई जाननी चाही, तो होटल मैनेजर आदित्य गुप्ता ने कैमरे पर स्वीकार किया कि 29-30 मई की रात होटल मालिक के साले सौरभ गुप्ता ने किशोरी के साथ अभद्रता की थी।

पुलिस प्रशासन पर सवाल

परिवार ने बताया कि उनके पास पैसे नहीं थे, इसलिए रात में ही ट्रेन पकड़कर बिहार लौट गए। वहां से लौटने के बाद वीडियो और विवरण पुलिस अधिकारियों को भेजा गया।

सीओ अयोध्या ने क्या कहा...

सीओ आशुतोष तिवारी ने कहा, मामले की जानकारी नहीं थी। अब वीडियो प्राप्त हुआ है, जांच की जाएगी। दोषी पाए जाने पर कार्रवाई होगी।

स्वराज इंडिया के सवाल बाकी हैं

-होटल जैसे सुरक्षित माने जाने वाले स्थान में कोई युवक आधी रात को अंदर से बंद कमरे में कैसे पहुंचा?

-क्या होटल के स्टाफ और मालिक ने इस घटना को दबाने की कोशिश की?

-क्या अयोध्या जैसे धार्मिक शहर में ऐसे अपराधियों पर सख्त कार्यवाही होगी या मामला फिर रफा-दफा कर दिया जाएगा?

मोदी ने किया चिनाब और अंजी पुल का उद्घाटन

पीएम ने जम्मू कश्मीर में कटरा से वंदे भारत को दिखाई हरी झंडी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिनाब दरिया पर बने रेलवे के नायाब, अद्भुत और बेमिसाल चिनाब पुल को राष्ट्र को समर्पित किया । इसके साथ ही पीएम मोदी ने अंजी पुल का उद्घाटन भी किया। पीएम मोदी ने कटड़ा से वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर श्रीनगर रवाना किया।

कटरा में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि, ठीक 11 साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कटरा रेलवे स्टेशन के उद्घाटन के लिए यहां आए थे। उस समय मैंने कहा था कि कटरा में कोई तभी आता है जब माता बुलाती हैजपीएम मोदी का यहां आना किसी न किसी कारण से टलता रहा। फिर चुनाव की घोषणा हुई, सरकार बदली और माता की इच्छा पूरी हुई कि पीएम मोदी प्रधानमंत्री बनें और कटरा रेलवे स्टेशन का उद्घाटन कियाज्शायद विधाता चाहते थे कि पीएम मोदी दोबारा प्रधानमंत्री बनें ताकि वो कश्मीर घाटी को रेलवे से जोड़ने का ऐतिहासिक काम कर सकें।कटरा और श्रीनगर को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन, कटरा रेलवे स्टेशन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हरी झंडी दिखाए जाने के तुरंत बाद चिनाब पुल को पार कर गई।

जम्मू-कश्मीर के कटरा रेलवे स्टेशन से कटरा और श्रीनगर को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रेन में सवार स्कूली बच्चों से बातचीत की। उन्होंने ट्रेन में मौजूद रेलवे कर्मचारियों से भी बातचीत की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कटरा रेलवे स्टेशन से कटरा और श्रीनगर को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई।

केबल रेल अंजी पुल का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के पहले केबल रेल पुल अंजी पुल का उद्घाटन किया। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सीएम उमर अब्दुल्ला और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च चिनाब ब्रिज का उद्घाटन करते हुए तिरंगा लहराया।

'यह कोई साधारण या आसान काम नहीं था'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुछ ही देर में कटरा और श्रीनगर को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। श्री माता वैष्णो देवी कटरा (एसवीडीके) से श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस के लोको

पायलट रामपाल शर्मा कहते हैं, ुयह हम सभी भारतीयों के लिए गर्व का क्षण है कि पीएम नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और भारतीय रेल कर्मचारियों ने एक सदियों पुराना सपना पूरा किया है। यह विशेष रूप से रेल इंजीनियरों के दृढ़ संकल्प, भक्ति और समर्पण से संभव हुआ है। यह कोई साधारण या आसान काम नहीं था। मार्ग बेहद चुनौतीपूर्ण हैज यह वंदे भारत ट्रेन सभी आधुनिक सुविधाओं से भरपूर है। यह ट्रेन पूरे 12 महीने चलेगी।

पति की मौत के वियोग में पत्नी ने भी दम तोड़ा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रायबरेली। जहां घोर कलियुग में रिश्ते और संबंध खात्मे की ओर हैं, वहीं, रायबरेली जिले में एक महिला के पति की अचानक मृत्यु हो गई तो पति के वियोग में पत्नी ने भी कुछ देर में प्राण त्याग दिए।

इस घटना से इलाके का माहौल गमगीन हो गया और लोगों ने घटना को लेकर दुख जताया। पति-पत्नी के एक साथ शव देखकर पत्थर दिल भी रो पड़े....।

» हार्ट अटैक से पति की हुई मौत बर्दाश्त नहीं कर सकी महिला, एक साथ दोनों के शव देखकर रो पड़े पत्थर दिल

जिले के जवाहर विहार कॉलोनी के रहने वाले 44 वर्षीय आशुतोष सिंह शहर में पैथोलॉजी और डायग्नोसिस सेंटर चलाते थे। उनके भाई अमित सिंह भी उसमें सहयोग करते थे। उनके सीने में बुधवार को अचानक दर्द हुआ। परिवार के लोग तत्काल जिला अस्पताल ले गए। जहां पर उन्होंने दम तोड़ दिया। घर पर शव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। आशुतोष की पत्नी महक सिंह पति की मौत का सदमा बर्दाश्त नहीं कर सकी। कुछ घंटे में उसने भी दम तोड़ दिया।महक की मौत भी हार्ट अटैक से हुई।पति की मौत की खबर घर पर जैसे पहुंची। महक सिंह रोते बिलखते बदहवास हो गई। परिवार के लोगों ने उसे तत्काल एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया। जहां पर इलाज शुरू होते ही उसकी मौत हो गई। डॉक्टर के मुताबिक महक सदमा बर्दाश्त नहीं कर सकी जिसके कारण हार्ट अटैक से उसकी मौत हो गई।

ढाई साल की बच्ची के रेपिस्ट को सजाए मौत

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सख्त एक्शन लिया गया

» लखनऊ पुलिस ने आरोपी को मुठभेड़ में मार गिराया

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आलमबाग क्षेत्र में हैवानियत की हद पार, ढाई साल की बच्ची से बलात्कार करने का आरोपी व्यक्ति शुक्रवार तड़के पुलिस से मुठभेड़ में मारा गया।

और उस पर एक लाख रुपये का इनाम भी घोषित था। पुलिस उपायुक्त आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि ढाई साल की बच्ची से बुधवार-बृहस्पतिवार की रात को बलात्कार करने का आरोपी दीपक वर्मा शुक्रवार तड़के आलमबाग क्षेत्र में पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया।

आगे उन्होंने बताया कि एक दंपति ने बृहस्पतिवार को आलमबाग थाने में शिकायत दी थी कि उनकी ढाई साल की बेटी से बलात्कार किया गया है।

फिर दंपति चंदन नगर मेट्रो स्टेशन के नीचे रह रहा था। और इस सूचना पर तत्काल मामला दर्ज कर घटना की जांच के लिए पुलिस की पांच टीम का गठन किया गया। साथ ही अभियुक्त पर एक लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था।

आगे श्रीवास्तव ने बताया कि मेट्रो स्टेशन पर लगे कैमरों की फुटेज से पता चला कि बुधवार-बृहस्पतिवार की रात करीब तीन बजे एक युवक सफेद स्कूटी पर आया और बच्ची को अगवा करके मेट्रो स्टेशन की लिफ्ट के पीछे ले गया और उसे अपनी हवस

एन्कांउटर के दौरान की फोटो

का शिकार भी बनाया।फिर उसके बाद अन्य कैमरे की फुटेज से स्कूटी के नंबर की पहचान की गई, जिससे जानकारी मिली कि अभियुक्त का नाम दीपक वर्मा है और वह ऐशबाग इलाके में रहता है।आगे उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार देर रात पुलिस को यह सूचना मिली कि अभियुक्त भागने वाला है।फिर इस पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे रोकने की कोशिश की लेकिन अभियुक्त ने पुलिस पर गोलियां चलाईं। फिर जवाबी गोलीबारी में गोली लगने से वर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया।फिर उसे लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत भी हो गई। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि अभियुक्त के संबंध में जानकारी मिली है कि उस पर एक मामला भी दर्ज है।वह रेलवे में पानी बेचने और जगरातों में झांकी लगाने का भी काम करता था। आगे उन्होंने बताया कि बलात्कार पीड़ित बच्ची का किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में इलाज भी किया जा रहा है। लेकिन अभी उसकी हालत गंभीर है।